जैसलमेर किला

[स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स](#)

राजस्थान के ऐतिहासिक जैसलमेर किले की दीवारें भारी बारिश के कारण ढह गईं, जिसके कारण इस **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** के बेहतर रखरखाव और संरक्षण की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है। उचित रखरखाव के अभाव में दीवारें कमज़ोर होकर ढह गईं।

- **जैसलमेर किला भारत का एकमात्र 'सक्रिय/जीवंत' किला है,** जहाँ आज भी कई निवासी रहते हैं, जिससे इस किले का रखरखाव उनकी सुरक्षा के लिये महत्त्वपूर्ण हो जाता है।
  - **राजा रावल सिंह द्वारा 1156 ई. में** निर्मित इस किले का निर्माण राज्य को आक्रमणों से बचाने के लिये रणनीतिक रूप से किया गया था। यह **भारत को मध्य एशिया से जोड़ने वाले** सिल्क रूट पर एक महत्त्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र था।
    - सूर्य प्रकाश के कारण रंग बदलने वाले **पीले बलुआ पत्थर** से निर्मित यह किला सुनहरा दिखाई देता है, जिसके कारण इसे **"सोनार किला" या "स्वर्ण किला"** नाम दिया गया है।
  - **राज महल (रॉयल पैलेस)** किले के भीतर सबसे बड़ा महल है, जिसमें अलंकृत बालकनियाँ हैं और इस किले में जटिल नक्काशी की गई है। यह मध्ययुगीन राजस्थानी वास्तुकला का एक शानदार उदाहरण है जिसमें **इस्लामी और राजपूत शैली के प्रभावों** का एक उल्लेखनीय मिश्रण है।
- किले के रखरखाव के लिये भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ज़िम्मेदार है।
- **चित्तौड़, कुंभलगढ़, रणथंभौर, गागरोन, आमेर और जैसलमेर किलों** सहित राजस्थान के पहाड़ी किलों को **वर्ष 2013 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** के रूप में नामित किया गया था।
  - जैसलमेर किला, चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़ व रणथंभौर किलों के साथ **प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारक तथा पुरातत्व स्थल एवं अवशेष (राष्ट्रीय महत्त्व की घोषणा) अधिनियम, 1951 के तहत** भारत के राष्ट्रीय महत्त्व के स्मारक **के रूप में संरक्षित हैं।**

//

और पढ़ें: MP के 6 नए स्थल और यूनेस्को की अस्थायी विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/jaisalmer-fort